अनुदान संख्या 93 – अंतरिक्ष विभाग
GRANT No. 93 - DEPARTMENT OF SPACE

				कुल अनुदान या विनियोग Total grant or appropriation	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
						(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)
राजस्वः	**Revenue:**					
प्रभारित–	*Charged -*			*60,00*	*60,00*	*..*
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*					*शून्य Nil*
स्वीकृत–	Voted-					
मूल	Original	5874,12,00		5874,14,00	5850,48,39	-23,65,61
पूरक	Supplementary	2,00				
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year					1,60,00
पूंजीगतः	**Capital:**					
प्रभारित–	*Charged -*			*40,00*	*7,46*	*-32,54*
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*					*शून्य Nil*
स्वीकृत–	Voted-					
मूल	Original	6598,14,00		7264,15,00	7182,13,31	-82,01,69
पूरक	Supplementary	666,01,00				
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year					शून्य Nil

टीका और टिप्पणियां

1. अनुदान के राजस्व भाग के *प्रभारित* अंश में, *₹45.00 लाख* का *विनियोग* दस शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

Notes and comments

1. In the *charged* portion of the revenue section of the grant, *appropriation* of *₹45.00 lakhs* remained wholly unutilised under ten heads.

2. अनुदान के राजस्व भाग के स्वीकृत अंश में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआः–

2. In the voted portion of the revenue section of the grant, savings/excess occurred under the following major heads:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
मुख्य शीर्ष "3451"	Major Head "3451"				
सचिवालय – सामाजिक सेवाएं	Secretariat-Economic Services				
मू.	O.	3500.00	5188.00	5106.79	-81.21
पु.	R.	1688.00			
मुख्य शीर्ष "3402"	Major Head "3402"				
अंतरिक्ष अनुसंधान	Space Research				
मू.	O.	583912.00	582066.00	579941.60	-2124.40
पू.	S.	2.00			
पु.	R.	-1848.00			

(I) ₹168.00 लाख का प्रावधान सोलह शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

(I) Provision of ₹168.00 lakhs remained wholly unutilised under sixteen heads.

(II) मुख्य शीर्ष "3402" के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं :–

(II) Under Major Head "3402" - savings occurred under the following heads:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी"–

(क) "इसरो टेलीमीटरी, ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी)" – ₹1185.92 लाख की बचत (₹20998.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) योजना कार्यकलापों के पुनर्निर्धारण होने और वैश्विक स्थिति की वजह से सामग्री वितरण सारणी (शेड्यूल) के स्थगन होने के कारण हुई।

(A) "Space Technology" -

(a) "ISRO Telemetry, Tracking & Command Network (ISTRAC)" - saving of ₹1185.92 lakhs (against the sanctioned provision of ₹20998.00 lakhs) was due to rescheduling of planning activities and postponement of delivery schedule of materials owing to global conditions.

(ख) "जीएसएलवी सतत परियोजना" – ₹2037.42 लाख की बचत (₹5000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) स्थानांतरण और कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति से संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने और कम सामग्री की अधिप्राप्ति होने के कारण हुई।

(ग) "सेमी क्रायोजेनिक इंजन विकास" – ₹7456.57 लाख की बचत (₹9000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में); और

(घ) "सेमी क्रायोजेनिक स्टेज विकास" – ₹2767.00 लाख की बचत (₹2900.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में)

बचत उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत व्ययों के पुनर्वर्गीकरण के कारण हुई।

(ङ) "अंतरिक्ष सामान एवं घटक का विकास" – ₹1345.85 लाख की बचत (₹2636.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अनुप्रयोग कार्यक्रम के लिए घटकों की अधिप्राप्ति से संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने, स्वदेशी कार्यक्रम की प्रतिबद्ध स्थिति होने के कारण हुई।

(च) "पीएसएलवी सतत कार्यक्रम (फेज–6)" – ₹1331.96 लाख की बचत (₹1550.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वेतन और लांचों का पुनर्निर्धारण संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(छ) "पुनः प्रयोज्य लांच व्हीकल ऑर्बिटल पुनः प्रवेश प्रयोग" – ₹525.23 लाख की बचत (₹550.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वेतन और योजनाबद्ध कार्यकलापों के पुनः निर्धारण के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ज) "यू आर राव उपग्रह केंद्र" – ₹2127.01 लाख की बचत (₹54990.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की

(b) "GSLV Continuation Project" - saving of ₹2037.42 lakhs (against the sanctioned provision of ₹5000.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards salaries owing to transfer & superannuation of staff and less procurement of materials.

(c) "Semi Cryogenic Engine Development" - saving of ₹7456.57 lakhs (against the sactioned provision of ₹9000.00 lakhs); and

(d) "Semi Cryogenic Stage Development" - saving of ₹2767.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2900.00 lakhs).

Saving under the above two heads were due to reclassification of expenses.

(e) "Development of Space Materials & Components" - saving of ₹1345.85 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2636.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards procurement of components for application programmes, commitment status of indigenization programme.

(f) "PSLV Continuation Programme (Phase-6)" - saving of ₹1331.96 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1550.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards salaries and rescheduling of launches.

(g) "Reusable Launch Vehicle Orbital Re-entry Experiment" - saving of ₹525.23 lakhs (against the sanctioned provision of ₹550.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards salaries and rescheduling of planned activities.

(h) "U R Rao Satellite Centre (URSC)" - saving of ₹2127.01 lakhs (against the sanctioned

तुलना में) जमीन परीक्षण उपकरणों की संचालन लागत, रख–रखाव, लागत और नवीकरण संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने, स्वच्छता पहल के लिए निधि प्रवाह का स्थगन होने और भर्ती प्रक्रिया में विलंब होने के कारण हुई।

provision of ₹54990.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards operation cost of ground test equipments, maintenance cost and refurbishment, postponement of cash flows for swatchhta initiatives and delay in recruitment process.

(खा) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग" –

(क) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र" – ₹1827.80 लाख की बचत (₹71000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) घटकों, घरेलू और विदेश यात्रा व्ययों, आपूर्ति और सामग्रियों से संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने और किफायत के उपाय किए जाने के कारण हुई.

(ख) "राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली" – ₹634.62 लाख की बचत (₹1400.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एनएनआरएमएस कार्यक्रमों और इसरो मुख्यालय के पुनर्गठन के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ग) "आपदा प्रबंधन सहायता (डीएमएस)" – ₹571.83 लाख की बचत (₹1000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यालय उपकरणओं की अधिप्राप्ति से संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने, सेटेलाइट डाटा, आर एंड डी कार्यकलापों की कटौती और जेआरएफ की कम भर्ती होने के कारण हुई।

(घ) "राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केन्द्र" – ₹685.12 लाख की बचत (₹30996.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वेतन, कार्यालय उपकरण, वाहन खर्च के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(गा) "अंतरिक्ष विज्ञान" –

(क) "रेसपोंड" – ₹897.87 लाख की बचत (₹5800.00

(B) "Space Applications" -

(a) "Space Applications Centre (SAC)" - saving of ₹1827.80 lakhs (against the sanctioned provision of ₹71000.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards components, domestic and foreign travel expenses, supplies and materials and economy measures.

(b) "National Natural Resources Management System (NNRMS)" - saving of ₹634.62 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1400.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards NNRMS programmes and re-organisation of ISRO Headquarter.

(c) "Disaster Management Support (DMS)" - saving of ₹571.83 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1000.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards procurement of office equipments, satellite data, reduction of R & D activities and less recruitment of JRFs.

(d) "National Remote Sensing Centre (NRSC)" - saving of ₹685.12 lakhs (against the sanctioned provision of ₹30996.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards salaries, office equipments and conveyance charges.

(C) "Space Sciences" -

(a) "RESPOND" - saving of ₹897.87 lakhs

लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अगले वित्तीय वर्ष तक के लिए आरएसी–एस और नए एसटीसी की स्थापना के स्थगन होने के कारण हुई।

(ख) "जलवायु और वायुमंडलीय कार्यक्रम" – ₹546.80 लाख की बचत (₹1950.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पेशेवर सेवाओं से संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने और संस्थानों से उपयोग प्रमाणपत्रों निधियों की प्राप्ति में विलंब होने के कारण हुई।

(घा) "इनसैट उपग्रह प्रणाली" –

(क) "जीएसएटी–20 उपग्रह" – ₹1093.43 लाख की बचत (₹4000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वेतन संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने, घरेलू यात्रा खर्चों और जीएसएटी–20 उपग्रह के लांच के पुनः निर्धारित होने के कारण हुई।

(ख) "जीएसएटी–30/31 संचार विमान – लांच सेवाएं" – ₹689.11 लाख की बचत (₹1250.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विदेश मंत्रालय से बिलों की प्राप्ति नहीं होने, सामग्रियों की अधिप्राप्ति से संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने और उपग्रह आकस्मिक प्रभार की प्राप्ति में विलंब होन के कारण हुई।

(ङ) "अंतर्राष्ट्रीय सहयोग – अन्य कार्यक्रम" – ₹1166.29 लाख की बचत (₹1375.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कॉलटेक, यूएसए में विक्रम साराभाई विजिटिंग स्कॉलर कार्यक्रम के लिए निर्धारित निधियों का अधिप्लावन होने के कारण हुई जैसाकि समझौता ज्ञापन मंत्रालय में विचाराधीन है।

(III) आठ शीर्षों के अंतर्गत ₹2610.47 लाख की बचतें हुईं जो प्रत्येक में ₹250.00 लाख से अधिक परन्तु ₹500.00 लाख से कम और कुल स्वीकृत प्रावधान का 11 प्रतिशत से 70 प्रतिशत तक थीं।

(against the sanctioned provision of ₹5800.00 lakhs) was due to postponement of setting up of RAC-S and new STCs to the next financial year.

(b) "Climate & Atmospheric Programme" - saving of ₹546.80 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1950.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards professional services and delay in receiving Funds Utilisation Certificates from institutions.

(D) "INSAT Satellite System" -

(a) "GSAT-20 Satellite" - saving of ₹1093.43 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4000.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards salaries, domestic travel expenses and reschedule of launch of GSAT-20 satellite.

(b) "GSAT-30/31 Communication Spacecrafts-Launch Services" - saving of ₹689.11 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1250.00 lakhs) was due to non-receipt of bills from Ministry of External Affairs, requirement of less funds towards procurement of materials and delay in receipt of incidental charges of satellite.

(E) "International Co-operation - Other Programmes" - saving of ₹1166.29 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1375.00 lakhs) was due to spill over of funds earmarked for Vikram Sarabhai Visiting Scholar Programme at Caltech, USA as MoU is under ministerial consultation.

(III) Under eight heads savings of ₹2610.47 lakhs occurred, each exceeding ₹250.00 lakhs but not exceeding ₹500.00 lakhs and constituting 11 percent to 70 percent of the sanctioned provision.

3.(I) उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान को बढ़ाने के लिए आंशिक रूप से (₹13496.75 लाख) प्रयुक्त हो गईं जैसाकि नवंबर, 2019 और मार्च, 2020 में मुख्य शीर्ष "3402" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत ₹2.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करते समय संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया था :–

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(क) "सेमी कंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल)" – 5999.90 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि, ₹5999.40 लाख था।

(ख) "भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी)" – ₹1024.80 लाख था।

(खा) "अंतरिक्ष विज्ञान – भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल)" – ₹4069.80 लाख।

(गा) "इनसैट उपग्रह प्रणाली – लांच सेवाएं/जीसैट–12आर सहित जीसैट भविष्य मिशन" – ₹2402.25 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि, ₹2359.26 लाख था।

(II) बचतें निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा भी प्रतिसंतुलित हो गईं:–

(का) मुख्य शीर्ष "3451" – "सचिवालय – अंतरिक्ष विभाग" – ₹1606.79 लाख का अधिक व्यय (₹3500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एंट्रिक्स – देवास बीआईटी मध्यस्थता मामलों के लिए विदेश के वकीलों की लंबित बिलों की मंजूरी के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने, प्रतिनियुक्तियों की अधिक संख्या होने और कार्यालय उपकरणों की खरीद के कारण हुआ।

(खा) मुख्य शीर्ष "3402" – "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(क) "विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (पीएसएससी)" – ₹2805.26 लाख का अधिक व्यय (₹113490.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वेतन, आपूर्ति और सामग्री के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने, कार्यालय उपकरणों की खरीद

3.(I) The above savings were partly (₹13496.75 lakhs) utilised for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining token supplementary grant of ₹2.00 lakhs in November, 2019 and March, 2020 under Major Head "3402" - under the following heads:-

(A) "Space Technology" -

(a) "Semi-conductor Laboratory (SCL)" - ₹5999.90 lakhs. Actual excess, however, was ₹5999.40 lakhs.

(b) "Indian Institute of Space Science & Technology (IIST)" - ₹1024.80 lakhs.

(B) "Space Sciences - Physical Research Laboratory (PRL)" - ₹4069.80 lakhs.

(C) "INSAT Satellite System - GSAT Future Missions including Launch Services/GSAT-12R" - ₹2402.25 lakhs. Actual excess, however, was ₹2359.26 lakhs.

(II) Savings were also offset by excess under the following major heads:-

(A) Major Head "3451" - "Secretariat - Department of Space" - excess of ₹1606.79 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3500.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards clearance of pending bills of foreign advocates for Antrix-Devas BIT arbitration cases, more number of deputations and purchase of office equipments.

(B) Major Head "3402" - "Space Technology" -

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)" - excess of ₹2805.26 lakhs (against the sanctioned provision of ₹113490.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards salaries, supplies and materials,

होने, प्रयोगशालाओं का नवीनीकरण होने, लांच कार्यकलापों को बढ़ाए जाने और भुगतान के स्पिलओवर होने के कारण हुआ।

(ख) "द्रव नोदन प्रणाली केन्द्र (एलपीएससी)" – ₹2114.14 लाख का अधिक व्यय (₹33985.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) असेंबली और परीक्षण सुविधा संबंधित अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने, कार्यालय उपकरणों की खरीद होने और रख–रखाव प्रभारों के कारण हुआ।

(ग) "सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र – एसएचआर (एसडीएससी– एसएचएआर)" – ₹4412.78 लाख का अधिक व्यय (₹56495.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सीआईएसएफ कर्मचारियों की वृद्धि, तैनाती की लागत, लांच अभियान, आपूर्ति और सामग्री तथा रख–रखाव प्रभारों से संबंधित अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(घ) "भू–चित्रांकन उपग्रह (जीआईएसएटी)" – ₹500.33 लाख का अधिक व्यय (₹1500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) लांच गतिविधियों को बढ़ाए जाने और तकनीकी जनशक्ति सेवा से संबंधित अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(ङ) "भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय (इसरो एचक्यू)" – ₹1042.30 लाख का अधिक व्यय (₹15798.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विक्रम साराभाई शताब्दी कार्यक्रम, चिकित्सा इलाज और आवास कॉलोनी का रख–रखाव कार्यों से संबंधित अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(च) "समानव अंतरिक्ष उड़ान केन्द्र" – ₹694.61 लाख का अधिक व्यय (₹1190.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वेतन से संबंधित अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

purchase of office equipments, refurbishment of labs, enhanced launch activities and spillover payments.

(b) "Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)" - excess of ₹2114.14 lakhs (against the sanctioned provision of ₹33985.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards assembly and test facility, purchase of office equipments and maintenance charges.

(c) "Satish Dhawan Space Centre - SHAR (SDSC-SHAR)" - excess of ₹4412.78 lakhs (against the sanctioned provision of ₹56495.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards increase in CISF staff, cost of deployment, launch campaigns, supplies and materials and maintenance charges.

(d) "Geo-Imaging Satellite (GISAT)" - excess of ₹500.33 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1500.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards enhanced launch activities and technical manpower service.

(e) "Indian Space Research Organisation Headquarters (ISRO Hq)" - excess of ₹1042.30 lakhs (against the sanctioned provision of ₹15798.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards Vikram Sarabhai Centenary Programme, medical treatment and maintenance works of housing colonies.

(f) "Human Space flight Centre (HSFC)" - excess of ₹694.61 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1190.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards salaries.

(III) चार शीर्षों के अंतर्गत ₹1430.12 लाख का अधिक व्यय हुआ जो प्रत्येक में ₹250.00 लाख से अधिक परन्तु ₹500.00 लाख से कम और स्वीकृत प्रावधान का 19 प्रतिशत से 3146 तक थीं।

(III) Under four heads excess of ₹1430.12 lakhs occurred, each exceeding ₹250.00 lakhs but not exceeding ₹500.00 lakhs and constituting 19 percent to 3146 percent of the sanctioned provision.

4. अनुदान के पूंजीगत भाग के *प्रभारित* अंश में, *₹33.00 लाख* का *विनियोग* आठ शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

4. In the *charged* portion of the capital section of the grant, *appropriation* of *₹33.00 lakhs* remained wholly unutilized under eight heads.

5. अनुदान के पूंजीगत भाग के स्वीकृत अंश में, कुल बचतें (₹8201.69 लाख) नवंबर, 2019 और मार्च, 2020 में प्राप्त किए गए ₹66601.00 लाख के पूरक अनुदान का 12 प्रतिशत और कुल स्वीकृत प्रावधान का 1 प्रतिशत थीं।

5. In the voted portion of the capital section of the grant, the overall savings (₹8201.69 lakhs) constituted 12 percent of the supplementary grants of ₹66601.00 lakhs obtained in November, 2019 and March, 2020 and more than 1 percent of the total sanctioned provision.

बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआः—

Savings/excess occurred under the following major head:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत— Saving -
मुख्य शीर्ष "5402" अंतरिक्ष अनुसंधान पर पूंजीगत परिव्यय	Major Head "5402" Capital Outlay on Space Research				
मू.	O.	659814.00	726415.00	718213.31	-8201.69
पू.	S.	66601.00			

(I) ₹426.00 लाख का प्रावधान सत्रह शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

(I) Provision of ₹426.00 lakhs remained wholly unutilised under seventeen heads.

(II) मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत प्राप्त पूरक अनुदान – निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत प्रत्येक के सामने दर्शाए अनुसार पूर्णतया अप्रयुक्त रहा :—

(II) Supplementary grant obtained under Major Head "5402" - remained wholly unutilised under the following heads as shown against each:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(क) "द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी)" – ₹30746.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹2000.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹32746.00 लाख कर दिया गया था। तथापि, ₹3573.47 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) – वाहनों, मशीनरी और उपकरणों की अधिप्राप्ति में विलंब होने और सिविल कार्यों के पूरा न होने के कारण हुई।

(ख) "इसरो प्रणोदन परिसर (आईपीआरसी)" – ₹29395.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹2521.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹31916.00 लाख कर दिया गया था। तथापि, ₹6629.21 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) कोविड–19 महामारी की वजह से मशीनरी और उपकरणों, मोटर वाहन, से संबंधित एकीकृत क्रायोजेनिक इंजन और स्टेज जांच सुविधा, अंतरिक्ष विज्ञान प्रौद्योगिकी पार्क और जल आपूर्ति कार्यों की स्थापना के स्थगन के कारण हुई।

(ग) "मुख्य नियंत्रण सुविध (एमसीएफ)" – ₹5390.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹153.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹5543.00 लाख कर दिया गया। तथापि, ₹390.07 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) निष्पादन में विलंब होने और कुछ कार्यों की फिर से निविदा और अगले वित्तीय वर्ष में स्लिपओवर प्रतिबद्धता होने के कारण हुई।

(घ) "भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय (इसरो एचक्यू)" – ₹16195.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹300.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹16495.00 लाख कर दिया गया था। तथापि, ₹12770.39 लाख की बचत (पूरक

(A) "Space Technology" -

(a) "Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)" - the original provision of ₹30746.00 lakhs was augmented to ₹32746.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹2000.00 lakhs. However, there was a saving of ₹3573.47 lakhs (including supplementary grant) - due to delay in procurement of vehicles, machinery and equipments and non-completion of civil works.

(b) "ISRO Propulsion Complex (IPRC)" - the original provision of ₹29395.00 lakhs was augmented to ₹31916.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹2521.00 lakhs. However, there was a saving of ₹6629.21 lakhs (including supplementary grant) - due to requirement of less funds towards machinery and equipments and motor vehicles owing to COVID-19 pandemic, Integrated Cryogenic Engine & stage Test Facility, postponement of establishment of Space Science Technology Park and water supply works.

(c) "Master Control Facility (MCF)" - the original provision of ₹5390.00 lakhs was augmented to ₹5543.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹153.00 lakhs. However, there was a saving of ₹390.07 lakhs (including supplementary grant) - due to delayed execution and re-tendering of certain works and spillover commitments to the next financial year.

(d) "Indian Space Research Orgnisation Headquarters (ISRO Hq)" - the original provision of ₹16195.00 lakhs was augmented to ₹16495.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹300.00 lakhs.

अनुदान सहित) बैंगलोर में चिह्नित भूमि अधिप्राप्ति के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने और सबस्टेशन कार्यों के लिए आवंटित निधियों का उपयोग नहीं होने के कारण हुई।

However, there was a saving of ₹12770.39 lakhs (including supplementary grant) - due to requirement of less funds earmarked for procurement of land at Bangalore and non-utilisation of funds allocated for substation work.

(ङ) "समानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र (एचएसएफसी)" – ₹1270.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹170.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹1440.00 लाख कर दिया गया था। तथापि, ₹528.00 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) वित्तीय मंजूरी की प्राप्ति में विलंब होने की वजह से चल्लाकेरे, कर्नाटक में तकनीकी सुविधाओं की स्थापना के लिए लक्षित खर्च के स्थगन होने के कारण हुई।

(e) "Human Spaceflight Centre (HSFC)" - the original provision of ₹1270.00 lakhs was augmented to ₹1440.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹170.00 lakhs. However, there was a saving of ₹528.00 lakhs (including supplementary grant) - due to postponement of expenditure targeted for establishment of technical facilities at Challakere, Karnataka owing to delay in receipt of financial sanction.

(खा) "आवास – भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय (इसरो एचक्यू)" – ₹1200.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹275.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹1475.00 लाख कर दिया गया। तथापि, ₹275.00 लाख (पूरक अनुदान सहित) आवास कॉलोनी के नवीकरण के स्थगन होने के कारण हुई।

(B) "Housing - Indian Space Research Organisation Headquarters (ISRO Hq)" - the original provision of ₹1200.00 lakhs was augmented to ₹1475.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹275.00 lakhs. However, there was a saving of ₹275.00 lakhs (including supplementary grant) - due to postponement of renovation of housing colonies.

(III) मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत प्राप्त किए गए पूरक अनुदान – निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत प्रत्येक के सामने दर्शाए अनुसार पूर्णतया अप्रयुक्त रहा :–

(III) Supplementary grant obtained under Major Head "5402" - remained unutilised under the following heads to the extent as shown against each:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(A) "Space Technology" -

(क) "इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग औरकमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी)" – ₹5987.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹1781.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹7768.00 लाख कर दिया गया था जो, तथापि, ₹782.44 लाख की सीमा तक – मशीनरी और उपकरणों की अधिप्राप्ति गतिविधियों का पुनर्निधारण होने और ट्रैकिंग सुविधाओं की वृद्धि होने में विलंब होने के कारण अप्रयुक्त रहा।

(a) "ISRO Telemetry, Tracking and Command Network (ISTRAC)" - the original provision of ₹5987.00 lakhs was augmented to ₹7768.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹1781.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of ₹782.44 lakhs - due to rescheduling of procurement activities of machinery & equipments and delay in augmentation of tracking facilities.

(ख) "नौवहन उपग्रह प्रणाली (एनएसएस)" – ₹12500.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹1800.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹14300.00 लाख कर दिया गया था जो, तथापि, ₹392.53 लाख की सीमा तक एंटीना के इंसटालेशन में विलंब होने के कारण अप्रयुक्त रहा।

(b) "Navigational Satellite System (NSS)" - the original provision of ₹12500.00 lakhs was augmented to ₹14300.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹1800.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of ₹392.53 lakhs - due to delay in installation of Antenna.

(ग) "ठोस प्रणोदक अंतरिक्ष बूस्टर संयंत्र (एसपीआरओबी)" – ₹18000.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹1500.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹19500.00 लाख कर दिया गया था जो, तथापि, ₹1234.37 लाख की सीमा तक उपकरणों के इंस्टालेशन में विलंब होने की वजह से माइलस्टोन भुगतान के स्थगन होने के कारण अप्रयुक्त रहा।

(c) "Solid Propellant Space Booster Plant (SPROB)" - the original provision of ₹18000.00 lakhs was augmented to ₹19500.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹1500.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of ₹1234.37 lakhs - due to postponement of milestone payments owing to delay in installation of equipments.

(खा) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग – अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र (एसएसी)" – ₹57085.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹4911.53 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹61996.53 लाख कर दिया गया जो, तथापि, ₹3378.78 लाख की सीमा तक – सिविल कार्यों से संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने, पूंजीगत कार्यों के प्रारंभ/पूरा होने में विलंब होने और फायर टेंडर की अधिप्राप्ति का प्रस्ताव पूरा न होने और कोविड–19 महामारी की वजह से मशीनरी और उपकरणों की आपूर्ति में बाधा आने के कारण अप्रयुक्त रहा।

(B) "Space Applications - Space Applications Centre (SAC)" - the original provision of ₹57085.00 lakhs was augmented to ₹61996.53 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹4911.53 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of ₹3378.78 lakhs - due to requirement of less funds towards civil works, delay in commencement/ completion of capital works and non-realisation of procurement proposal of Fire Tender and disruption in supply of machinery and equipments owing to COVID-19 pandemic.

(गा) "अंतरिक्ष विज्ञान – भारतीय चंद्र मिशन – चंद्रयान–1 एवं 2" – ₹4020.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹399.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹4419.00 लाख कर दिया गया था जो, तथापि, ₹179.56 लाख की सीमा तक – मिशन को पूरा किए जाने की वजह से मशीनरी एवं उपकरणों से संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण अप्रयुक्त रहा।

(C) "Space Sciences - Indian Lunar Mission - Chandrayaan - 1 & 2" - the original provision of ₹4020.00 lakhs was augmented to ₹4419.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹399.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of ₹179.56 lakhs - due to requirement of less funds towards machinery & equipments owing to realisation of mission.

(IV) मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत बचतें हुईं :–

(IV) Under Major Head "5402" - saving occurred under the following heads:-

(का) “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी” –

(क) “इसरो इनर्शियल सिस्टम यूनिट (आईआईएसयू)” – ₹1306.35 लाख की बचत (₹3500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधानों की तुलना में) मोटर वाहनों की अधिप्राप्ति के स्थगन होने, प्रमुख कार्यों और मुख्य उपकरणों के वितरण में विलंब होने के कारण हुई।

(ख) “भू–चित्रांकन उपग्रह (जीआईएसएटी)” – ₹828.92 लाख की बचत (₹4500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अगले वित्तीय वर्ष तक के लिए फुल मोशन एंटीना भुगतान के स्थगन होने और सिस्टम की प्राप्ति होने के कारण हुई।

(ग) “रिअलाइजेशन ऑफ सेकेंड व्हीकल एसेंबली बिल्डिंग (एसवीएबी)” – ₹783.93 लाख की बचत (₹1612.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) भुगतान के निपटान और कमीशनिंग कार्यकलापों के स्थगन होने के कारण हुआ।

(घ) “सेमी क्रायोजेनिक स्टेज विकास” – ₹1682.31 लाख की बचत (₹0.10 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹5100.10 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) टैंक फैब्रिकेशन संविदा, क्रायोजेनिक ईपी वाल्व, इत्यादि को अगले वित्तीय वर्ष तक स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(ङ) “जीएसएलवी एमके–III सतत कार्यक्रम (फेज–I)” – ₹12505.00 लाख की बचत (₹24800.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अगले वित्तीय वर्ष तक के लिए हार्डवेयर वितरण का स्थगन होने और जीएसएलवी एमके–III सतत कार्यक्रम (फेज–I) योजना पूरी किए जाने के कारण हुई।

(च) “पुनः प्रयोज्य लांच व्हीकल आर्बिटल पुनः प्रवेश प्रयोग” – ₹3873.97 लाख की बचत (₹4950.00

(A) “Space Technology” -

(a) “ISRO Inertial Systems Unit (IISU)” - saving of ₹1306.35 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3500.00 lakhs) was due to postponement of procurement of motor vehicles, major works and delay in delivery of major equipments.

(b) “Geo-Imaging Satellite (GISAT)” - saving of ₹828.92 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4500.00 lakhs) was due to postponement of Full Motion Antenna payments to the next financial year and realization of systems.

(c) “Realisation of Second Vehicle Assembly Building (SVAB)” - saving of ₹783.93 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1612.00 lakhs) was due to postponement of settlement of payments and commissioning activities.

(d) “Semi Cryogenic Stage Development” - saving of ₹1682.31 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹5100.10 lakhs including token supplementary grant of ₹0.10 lakh) was due to postponement of Tank fabrication contract, cryogenic EP valve, etc. to the next financial year.

(e) “GSLV Mk-III Continuation Programme (Phase-1)” - saving of ₹12505.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹24800.00 lakhs) was due to postponement of delivery of hardware to the next financial year and realization plan of GSLV Mk-III Continuation Programme (Phase-1).

(f) “Reusable Launch Vehicle Orbital Re-entry Experiment” - saving of ₹3873.97 lakhs

लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यकलापों तथा फेब्रिकेशन खर्चों के लिए निर्धारित निधियों का नकदी प्रवाह के अनुसार पुनः निर्धारण होने के कारण हुई।

(against the sanctioned provision of ₹4950.00 lakhs) was due to rescheduling of cash flows in line with the progress of activities and funds earmarked for fabrication expenses.

(खा) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग" –

(क) "आपदा प्रबंधन सहायता" – ₹778.78 लाख की बचत (₹1500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सी एंड एक्स बैंड सीडब्ल्यूआर की खरीद में विलंब होने के कारण हुई।

(ख) "राष्ट्रीय सुदूर संवेदी केन्द्र (एनआरएससी)" – ₹3310.85 लाख की बचत (₹13370.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) ट्रैक गैस एनालाइजर, स्पेक्ट्रल सेंसर प्रणाली की प्राप्ति, भवन निर्माण में विलंब होने और ऑपरेशनल वाहनों की खरीद स्थगन होने के कारण हुई।

(B) "Space Applications" -

(a) "Disaster Management Support (DMS)" - saving of ₹778.78 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1500.00 lakhs) was due to delay purchase of C & X Band-CWR.

(b) "National Remote Sensing Centre (NRSC)" - saving of ₹3310.85 lakhs (against the sanctioned provision of ₹13370.00 lakhs) was due to delay in realization of trace gas analyzer, spectral sensor system, construction of buildings and postponement of procurement of operational vehicles.

(गा) "इनसैट उपग्रह प्रणाली – जीएसएटी –30/31 संचार विमान – लांच सेवाएं" – ₹1102.21 लाख की बचत (₹12750.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अधिप्राप्त लांच सेवाओं से संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने और विदेश विनिमय दर में विविधता होने के कारण हुई।

(C) "INSAT Satellite System - GSAT-30/31 Communication Spacecrafts - Launch Services" - saving of ₹1102.21 lakhs (against the sanctioned provision of ₹12750.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards procured launch services and foreign exchange rate variation.

(घा) "आवास – अंतरिक्ष उपकरण केन्द्र" – ₹2750.24 लाख की बचत (₹3050.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यों की प्रगति के लिए योजना में बदलाव होने और सीआईएसएफ क्वार्टरों के कार्यों से संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(D) "Housing - Space Applications Centre" - saving of ₹2750.24 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3050.00 lakhs) was due to change in plan for progress of works and requirement of less funds towards works of CISF quarters.

(V) चार शीर्षों के अंतर्गत ₹1462.84 लाख की बचतें हुईं, जो प्रत्येक में ₹250.00 लाख से अधिक परन्तु ₹500.00 लाख से कम और स्वीकृत प्रावधान का 15 प्रतिशत से 69 प्रतिशत तक थीं।

(V) Under four heads savings of ₹1462.84 lakhs occurred, each exceeding ₹250.00 lakhs but not exceeding ₹500.00 lakhs and constituting 15 percent to 69 percent of the total sanctioned provision.

6.(I) उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान को बढ़ाने के लिए आंशिक रूप से (₹43954.26 लाख) प्रयुक्त हो गईं

6.(I) The above savings were partly (₹43954.26 lakhs) utilised for augmenting the provision by

जैसाकि मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के तहत ₹66601.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करते समय संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया था :–

re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining supplementary grant of ₹66601.00 lakhs under Major Head "5402" - under the following heads:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(क) "सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र –एसएचएआर (एसडीएससी–एसएचएआर)" – ₹2159.00 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि ₹2131.05 लाख था।

(ख) "ध्रुवीय उपग्रह लांच वाहन – सतत (पीएसएलवी–सी) परियोजना" – ₹13635.00 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि, ₹12833.69 लाख था।

(ग) "सेमी क्रायोजेनिक इंजन विकास" – ₹8335.00 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि ₹5387.30 लाख था।

(घ) "कार्टोसैट–3" – ₹2075.00 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि ₹2073.02 लाख था।

(ङ) "रिसोर्ससैट–3एस और 3 एसए" – ₹1735.00 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि ₹1715.16 लाख था।

(च) "पीएसएलवी एकीकरण सुविधा (पीआईएफ)" – ₹1800.00 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि ₹1799.54 लाख था।

(छ) "यू आर राव उपग्रह केन्द्र (यूआरएससी)" – ₹1593.00 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि ₹1221.77 लाख था।

(ज) "अंतरिक्ष वस्तुओं पर नजर रखने और विश्लेषण के लिए नेटवर्क (नेत्रा)" – ₹1970.00 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि ₹1969.95 लाख था।

(A) "Space Technology" -

(a) "Satish Dhawan Space Centre-SHAR (SDSC-SHAR)" - ₹2159.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹2131.05 lakhs.

(b) "Polar Satellite Launch Vehicle - Continuation (PSLV-C) Project" - ₹13635.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹12833.69 lakhs.

(c) "Semi Cryogenic Engine Development" - ₹8335.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹5387.30 lakhs.

(d) "Cartosat-3" - ₹2075.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹2073.02 lakhs.

(e) "Resourcesat-3S & 3SA" - ₹1735.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹1715.16 lakhs.

(f) "PSLV Integration Facility (PIF)" - ₹1800.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹1799.54 lakhs.

(g) "U R Rao Satellite Centre (URSC)" - ₹1593.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹1221.77 lakhs.

(h) "Network for Space Objects Tracking and Analysis (NETRA)" - ₹1970.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹1969.95 lakhs.

(खा) "इनसैट उपग्रह प्रणाली" –

(क) "जीसैट–20 उपग्रह" – ₹5501.73 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि ₹5497.85 लाख था।

(ख) "लांच सेवाओं/जीएसएटी 12 आर सहित जीएसएटी भविष्य मिशन" – ₹4777.00 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि ₹4772.57 लाख था।

(गा) "आवास – मुख्य नियंत्रण सुविधा (एमसीएफ)" – ₹373.53 लाख।

(II) बचतें मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्ष के अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा भी प्रतिसंतुलित हो गईः–

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी"

(क) "मानवीय मिशन पहल/मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम (गगनयान)" – ₹1075.59 लाख का अधिक व्यय (₹99494.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) प्रथम मानवीय मिशन के लिए सिस्टम की प्राप्ति संबंधित अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(ख) "रीसैट–1ए" – ₹788.40 लाख का अधिक व्यय (₹9600.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) ईईई घटकों के भुगतान, एसएमए कनेक्टर और एमएमआईसी फैब्रीकेशन आर्डर से संबंधित अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(ग) "ओशनसैट–3 और 3ए" – ₹2008.95 लाख का अधिक व्यय (₹13400.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उन्नत इलेक्ट्रॉनिक घटक और एसएसटीएम डिटेक्टर का वितरण से संबंधित अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(B) "INSAT Satellite System" -

(a) "GSAT-20 Satellite" - ₹5501.73 lakhs. Actual excess, however, was ₹5497.85 lakhs.

(b) "GSAT Future Missions including Launch Services/GSAT 12R" - ₹4777.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹4772.57 lakhs.

(C) "Housing - Master Control Facility (MCF)" - ₹373.53 lakhs.

(II) Savings were also offset by excess under Major Head "5402" - under the following heads:-

(A) "Space Technology" -

(a) "Manned Mission Initiatives / Human Space Flight Programme (Gaganyaan)" - excess of ₹1075.59 lakhs (against the sanctioned provision of ₹99494.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards realization of systems for first manned mission.

(b) "RISAT-1A" - excess of ₹788.40 lakhs (against the sanctioned provision of ₹9600.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards payment of EEE components, SMA Connectors & MMIC fabrication order.

(c) "Oceansat-3 & 3A" - excess of ₹2008.95 lakhs (against the sanctioned provision of ₹13400.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards advancement of electronic component and delivery of SSTM detectors.

(घ) "हाई रिजोल्यूशन उपग्रह (एचआरएसएटी) कांसटिलेशन" – ₹1277.05 लाख का अधिक व्यय (₹6000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्ष ग्रेड घटकों की अधिप्राप्ति के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने और आईडीसीए डिक्टेटर का वितरण और सब–कनेक्टर के लिए भुगतान के कारण हुआ।

(d) "High Resolution Satellite (HRSAT) Constellation" - excess of ₹1277.05 lakhs (against the sanctioned provision of ₹6000.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards procurement of Space Grade Components, delivery of IDCA detectors and payment for sub-connectors.

(खा) "इनसैट उपग्रह प्रणाली" –

(B) "INSAT Satellite System" -

(क) "जीएसएटी–30/31/32 उपग्रह" – ₹3779.73 लाख का अधिक व्यय (₹15500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) लांच के लिए संचार अंतरिक्ष यान कार्यक्रम की प्राप्ति से संबंधित अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(a) "GSAT-30/31/32 Satellites" - excess of ₹3779.73 lakhs (against the sanctioned provision of ₹15500.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards realization of communication spacecraft schedules for launch.

(ख) "इंडियन डेटा रिले सैटेलाइट सीरीज (आईडीआरएसएस)" – ₹3981.97 लाख का अधिक व्यय (₹7.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) डेटा रिले सैटेलाइट सिस्टम की प्राप्ति से संबंधित अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

(b) "Indian Data Relay Satellite Series (IDRSS)" - excess of ₹3981.97 lakhs (against the sanctioned provision of ₹7.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards realization of data relay satellite system.